N–331

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र– जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषयः वेद निरूक्त एवं वैदिक साहित्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . र्अ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. अग्नि सूक्त में कौन–सा छन्द है ?
2. ऋते का क्या अर्थ है ?
3. विश्वा का क्या अर्थ है ?
4. सहस्रशीर्षा का क्या अर्थ है ?
5. मनीषी का अर्थ बताइए।
6. पूषन का तात्पर्य लिखिए।
7. वेदान्गों की संख्या लिखिए।
8. ऋग्वेद का कौन–सा उपनिषद् है ?

खण्ड–ब

9. ऋग्वेद पर टिप्पणी लिखिए।
10. 'स जनास इन्द्रः' सूक्त का अभिप्राय लिखिए।
11. 'व्याप्ति मत्वात्तु' सूक्त का संक्षिप्त में अर्थ लिखिए।

12. 'राष्ट्राभिवर्धनम् सूक्त' को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।
13. 'मा गृधः कस्यस्विद्धनम्' सूत्र का भाव लिखिए।
14. गोपथ ब्राह्मण का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :
    i अदिति
    ii सोम
    iii अश्विन्
    iv मरुत्
    v हिरण्यगर्भ
16. 'त्व' सर्वनाम का निरूपण कीजिए।
17. वेदान्गों की रचना का प्रयोजन लिखिए।
18. वैदिक साहित्य में ब्राह्मण ग्रंथों का महत्व लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. सृष्टि रचना में पुरुष देवता की महत्ता लिखिए।
20. 'तेषां मनुष्य वद् धनम्' सूक्त को स्पष्ट कीजिए।
21. निरुक्तकार यास्क का परिचय लिखिए।
22. 'ईशावास्योपनिषद्' के अनुसार आत्मा का स्वरूप लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. विराट पुरुष के स्वरूप की महत्ता का वर्णन कीजिए।
24. वेद के छः अंगों की विवेचना करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N-332

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र– जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषयः पालो प्राकृत एवं भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड—अ

1. लोकातीत प्रज्ञा से जो ज्ञान होता है वह क्या कहलाता है ?
2. महात्मा बुद्ध किससे दिन–रात तपते हैं ?
3. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में कुम्भीलक क्या है ?
4. सागरिका किस रूपक की पात्र है ?
5. भाषा की उत्पत्ति किस धातु से हुई है ?
6. बौं की भाषा क्या मानी जाती है ?
7. सम्राट अशोक के शिलालेखों में किस लिपि का प्रयोग हुआ है ?
8. संस्कृत में सर्वप्राचीन कोश कौन–सा माना जाता है ?

खण्ड—ब

9. वाक्य को परिभाषित करते हुए इसके भेदों का वर्णन कीजिए।
10. भाषा की सामान्य विशेषताओं एवं प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।
11. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के चेटी–विदूषक संवाद को अपनी भाषा में लिखिए।

12. 'मृच्छकटिकम्' के गर्भिताप्र प्रकाशक रदनिका–दारक– वसन्तसेना संवाद को अपने शब्दों में लिखिए।
13. 'सुप्पारजातकम्' में निहित शिक्षा पर प्रकाश डालिए।
14. निम्नलिखित पद्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

'न ससस्स तिला अत्थि न मुग्गा नापि तण्डुला।

इमिना अग्गिना पक्कं ममं भुत्वा वने वसति ।।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. धर्मपद संग्रह के किन्हीं दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।
16. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या हिन्दी एवं संस्कृत में कीजिए :

दीघा जागरतो रत्ती, दीघं सन्तस्स योजनं।

दीघं बालानं संसारो, स

म्मं अविजानतं।।

अथवा

दिवा तपति आदिच्चो, रत्तिं आभाति चन्द्रिमा।

खन्नो खत्तिपो तपति, झायी तपति ब्राह्मणो।।

अभ सब्बं अहरोरत्त बुो तपति तेजसा।।

17. प्राकृत भाषा का वैशिष्ट्य प्रतिपादित करते हुए प्रमुख प्राकृतों का नाम लिखिए।
18. भाषा एवं बोली में अन्तर लिखिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. मागधी एवं अर्धमागधी प्राकृत के दो–दो उदाहरण दीजिए।
20. ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
21. ध्वनि परिवर्तन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
22. कोश विज्ञान पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. भारतीय भाषा विज्ञान के इतिहास पर सविस्तार दृष्टिपात कीजिए।

24. ध्वनि की उत्पत्ति प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
6. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
7. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
8. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र– जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय : व्याकरण एवं निबन्ध **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. सूत्र कितने प्रकार के होते हैं ?
2. 'भक्षेरहिसार्थस्य च' से कौन–सी संज्ञा होती है ?
3. उत्तमर्ण किसे कहते हैं ?
4. 'यवेभ्यो गोवारयति' में पंचमी विभक्ति कारक सूत्र लिखिए।
5. क्त प्रत्यय की कौन संज्ञा होती है ?
6. राजकृत्वा में कौन–सा प्रत्यय है ?
7. व्याकरणाध्ययन के प्रमुख प्रयोजन कितने हैं ?
8. औपषदिक निबन्ध किस प्रकार का होता है ?

खण्ड–ब

9. 'ह्रकोरन्यतरस्याम्' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
10. 'अभितः कृष्णं गोपाः' ससूत्र सि कीजिए।
11. 'षष्ठी हेतु प्रयोगे' सूत्र को स्पष्ट कीजिए।
12. 'हरये रोचते भक्तिः' प्रयोग को सिद्ध कीजिए।

13. 'रक्षार्थ वेदानामध्येयं व्याकरणम्' का अर्थ लिखिए।

14. 'दुष्टशब्दः' पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

16. 'क्रुधद्रुहेष्या सूयार्थानां यं प्रति कोपः' को स्पष्ट कीजिए।

17. 'ण्वुलतृ चौ' सूत्रं की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

18. व्याकरणाध्ययन के मुख्य प्रयोजन का प्रतिपादन कीजिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रयोगों को सिद्ध कीजिए :

अ हरि भजति

ब पयसा ओदनं भुञजानः

स रामेण बाणेन हतो बाली

20. निम्नलिखित प्रयोगों में से किन्हीं दो को सिद्ध कीजिए :

अ विप्राय गां ददाति

ब चोरात् विभेति

स ब्राह्मणः प्रजाः प्रजायन्ते

21. निम्नांकित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

अ कर्तरि कृत

ब ऋहलोर्ण्यत्

स आतश्चोपसर्गे

22. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

चत्वारि श्रृंगा त्रयोऽस्य पादा द्वे शीर्षे सप्त हस्तासो यस्य।
त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवेति महो देवो मर्त्यां आविवेश।।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. व्याकरणाध्ययन के गौण प्रयोजनों का प्रतिपादन कीजिए।

24. अधोलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

अ वेदानां रचनाकालः

ब भारतीयदर्शनस्य वैशिष्ट्यम्।

स कविकुलगुरुः कालिदासो विकासः

आवश्यक निर्देश :–

9. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
10. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
11. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
12. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N–334

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र– जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (संस्कृत) पूर्व

विषय . भारतीय दर्शन	**प्रश्नपत्रः चतुर्थ**
पूर्णांक : 30	**न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . र्अ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाणादि पदार्थों की संख्या .... है।
2. तर्कभाषा किस दर्शन के अन्तर्गत आता है ?
3. 'सांख्यकारिका' के रचनाकार .... हैं।
4. सात्त्विक एवं तामस भेदों से बुद्धि कितने प्रकार की होती है ?
5. कण्ठस्थानीय वायु को क्या कहा जाता है ?
6. वस्तु में अवस्तु के आरोप को .... कहा जाता है।
7. ब्रह्मसूत्र के संकलनकर्ता का नाम लिखिए।
8. प्रमाण प्रधान शास्त्र कौन–सा है ?

खण्ड–ब

9. तर्कभाषा के अनुसार सम्बन्धों के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।
10. सांख्य दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक दुःख को स्पष्ट कीजिए।
11. अध्यारोप को सोदाहरण लिखिए।

12. बौद्ध दर्शन कितने प्रमाणों को मानता है ?
13. न्याय और वैशेषिक दर्शन कितने प्रमाण मानता है ?
14. सांख्य दर्शन के अनुसार बन्धन और मोक्ष पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. 'अर्थापत्ति प्रमाणम्' की व्याख्या कीजिए।
16. सांख्यसम्मत आठों सिद्धान्तों के नाम लिखकर चार सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।
17. बौद्ध धर्म के पाँचों नियमों का उल्लेख करते हुए व्याख्या कीजिए।
18. नास्तिक दर्शन किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. कारण किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
20. प्रकृति–पुरुष के संयोग का कारण स्पष्ट कीजिए।
21. सूक्ष्म शरीर के अवयवों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
22. चार्वाक दर्शन के प्रत्यक्ष प्रमाण सम्बन्धी मत की समीक्षा कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. सांख्य दर्शन के सत्कार्यवाद का प्रतिपादन कीजिए।
24. वेदान्त दर्शन के अनुसार पंचकोशों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

13. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
14. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
15. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
16. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**